

---

Shri Taravali

श्रीतारावलिः

Document Information

---

Text title : Shri Taravali

File name : tArAvaliH.itx

Category : raama

Location : doc\_raama

Proofread by : Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

Description/comments : From stotrArNavaH

Latest update : September 12, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 13, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Taravali

---

### श्रीतारावलिः

---



श्रीवत्सवत्सविह्वाञ्चितवक्षःस्थल धरासुताजने ।  
त्वमिड दयादृष्ट्या मन्दाकान्तं रक्ष मां दयाशरधे(ब्धिदाशरधे) ॥ १ ॥

कृतयत्नविह्वलकारिणामतिकष्टमर्थमात्मजं मन्दम् ।  
न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरधे ॥ २ ॥

शरणागतरक्षक तव यरणद्रयभक्तिरस्तु मम हृदये ।  
न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरधे ॥ ३ ॥

अवमानदमापत्तरभरिपक्षजयोत्सुकं सुदुःभकरम् ।  
न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरधे ॥ ४ ॥

नानापवादभयदं सदनधनद्रव्यनाशकरकुदालम् ।  
न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरधे ॥ ५ ॥

कुत्सितगुणसम्पन्नं कौर्यमनःसंप्रकाशितोद्योगम् ।  
न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरधे ॥ ६ ॥

गृध्राशनमतिमलिनं निद्रालस्यादिदोषदं नृणाम् ।  
न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरधे ॥ ७ ॥

निस्तुलदादिद्युगुणाप्रस्तुतकार्यप्रसक्तिदं नित्यम् ।  
न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरधे ॥ ८ ॥

पुत्रकलत्रभ्रात्रामिलबन्धुविरोधजनकमतिकठिनम् ।  
न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरधे ॥ ९ ॥

नीलाञ्जननिभदेलं डोलायितमानसं बिडालाक्षम् ।  
न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरधे ॥ १० ॥

कुनभयुतं कूर्मपदं कृशगात्रं शङ्कुरपिणं च सदा ।  
न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरधे ॥ ११ ॥

विनिमीलितसन्मीलितलोचनयुतभुजगतोत्तमाङ्गनतम् ।  
 न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरथे ॥ १२ ॥  
 गतलज्जालुदयं निर्भाग्यं बृहद्दुष्टरपोषात्तिलादम् ।  
 न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरथे ॥ १३ ॥  
 आशापिशायभोगोल्लासकरं दौर्मनस्यदमशुभदम् ।  
 न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरथे ॥ १४ ॥  
 आनृतनिष्कृतिवैकृतिफलितमदोद्रेककारणं चालम् ।  
 न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरथे ॥ १५ ॥  
 नरपतियोरुदुताशनभयदानसमर्थमडितकार्यकरम् ।  
 न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरथे ॥ १६ ॥  
 कुटिलगतिं कठिनमतिं स्फुटतरकटिघटितभाडुभलयेष्टम् ।  
 न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरथे ॥ १७ ॥  
 यश्चलयित्तसमुच्छ्रितमुञ्चकवृत्तिं शनैः शनैर्यानम् ।  
 न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरथे ॥ १८ ॥  
 सकलजननिन्द्यमभवं विकलाङ्गं कालिमाभमपदेशम् ।  
 न स्तौमि तमसुरारे परिपालय मां दयाब्धिदाशरथे ॥ १९ ॥  
 विगतश्रीको विलोमभावो वीरुयिमुष्यो (?) विविधामयदः ।  
 किमसौ शनिरिडु किं कुरुते मां त्वं परिपालय दाशरथे ॥ २० ॥  
 जनपददेशविदेशारण्यान्तरपर्यटनद्रुतिभलदः ।  
 किमसौ शनिरिडु किं कुरुते मां त्वं परिपालय दाशरथे ॥ २१ ॥  
 कामकोधाधरिभूरिभयाकरसञ्चारोऽस्फुट देहः ।  
 किमसौ शनिरिडु किं कुरुते मां त्वं परिपालय दाशरथे ॥ २२ ॥  
 दुर्जनवचनश्रवणप्रयुरप्रत्ययदः सत्सङ्गद्वः ।  
 किमसौ शनिरिडु किं कुरुते मां त्वं परिपालय दाशरथे ॥ २३ ॥  
 आत्मानात्मविचाराम्यन्तरदोऽवरदः परिभूतमनाः ।  
 किमसौ शनिरिडु किं कुरुते मां त्वं परिपालय दाशरथे ॥ २४ ॥  
 मायामयजगदभिलभान्तिकरो देहात्मज्ञानलतः ।  
 किमसौ शनिरिडु किं कुरुते मां त्वं परिपालय दाशरथे ॥ २५ ॥

तापत्रयभयदोषनिवारक भद्रगुणौघ दयाशरथे ।

किमसौ शनिरिड किं कुरुते मां त्वं परिपालय दाशरथे ॥ २६ ॥

रत्नकिरीटधराय्युत रामानन्त मुकुन्द दयाशरथे ।

किमसौ शनिरिड किं कुरुते मां त्वं परिपालय दाशरथे ॥ २७ ॥

घनतरमुक्ताङ्गलहारमिवाद्दृशीयेयं दाशरथे ।

तारावलिरनिशं सकलानां सौम्यं नितरां वितनोतु ॥ २८ ॥

श्रीतडकमल्लवंशोद्भवमनिशं कृष्णारायनामधरम् ।

धरणीसुरवरवन्द्यं परिपालय तं प्रभुं दाशरथे ॥ २९ ॥

धृति श्रीतारावलिः सम्पूर्णा ।

Proofread by Aruna Narayanan

---



*Shri Taravali*

pdf was typeset on September 13, 2020



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

